हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 2 अगस्त, 2025

13 युवाओं का भविष्य संवारने वाला स्कूल खुद लाचार,

14 नंदगांव में हरे पेड़ काटे जाने का आरोप

खबर संक्षेप

लोहारू और आसपास हुई झमाझम बरसात

लोहारू। पिछले दो दिनों से लोहारू व आसपास के इलाके में सावन की झड़ी लगी हुई। दिनभर रुक रुककर हुई बरसात ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत प्रदान की। लोहारू में करीब 30 एमएम बरसात दर्ज की गई। गुरूवार को सुबह से ही हो रही बरसात से कई निचले इलाकों में पानी जमा हो गया। सब्जीमंडी और रेलवे स्टेशन के आसपास के इलाके में बरसात कीचड़ बनने से परेशानी हुई।

पैनल वाले अधिवक्ता हर रविवार देंगे कानूनी सेवाएं

लोहारू। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने गांव सोहासड़ा तथा बहल के पंचायत घरों में अगस्त माह के लिए विलेज लीगल केयर एंड स्पोर्ट सेंटर बनाएं हैं। लीगल पॉलीक्लिनिक में शाम दो से पांच बजे तक पैनल के वकील व अधिकार मित्र (पीएलवी) हर रविवार लोगों को कानूनी सेवाएं दी जाएगी। एसीजे एसडी देवेंद्र सिंह द्वारा जारी आदेशों जारी करते हुए यह जानकारी दी।

8 को होगा पौधरोपण अभियान का श्रीगणेश

बहल। श्री गोगानवमी पर 8 अगस्त को श्री गोगाजी बगीची में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया जाएगा। जिसमें एसडीएम मनोज दलाल व सरपंच साधूराम पनिहार शामिल होंगे। गोगा जी ट्रस्ट के प्रधान डॉ. दयानंद जावला ने बताया कि गोगानवमी पर्व पर यह कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया जाएगा।

देवीलाल स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह

लोहारू। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय चौधरी देवीलाल स्टेडियम में 15 अगस्त को उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया जाएगा। उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। जिसमें देश भक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। एसडीएम मनोज दलाल स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक में आवश्यक निर्देश दे रहे थे। 15 अगस्त के दिन सुबह 8.58 बजे समारोह स्थल पर मुख्य अतिथि का आगमन होगा।

गलने लगी कपास, पीले हुए ज्वार- बाजरा और डूबी धान की फसलें

आसमान से बरसी आफत, अरमान तबाह खेतों में जमा तीन से चार फुट तक पानी

जिले में पिछले चार दिन से हो रही बरसात, तालाब बने रिहायशी इलाके व खेत-खलियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पिछले तीन चार दिनों से जमकर हो रही बारिश ने सभी के लिए परेशानी खड़ी कर दी। तेज बारिश से रिहायशी बस्तियों ही नहीं खेतों में फसलों में पानी जमा हो गया है। उन खेतों में ज्यादा बारिश का पानी जमा हो गया। जिन खेतों का ढलान जोहड़ी की उपराहन की तरफ है। वहां कहीं पर तीन तो कहीं पर चार फुट तक बारिश का पानी जमा है। निकासी सही ढंग से न होने की वजह से कपास व ज्वार व बाजरे की फसल में एक से डेढ फुट तक बारिश पानी जमा है। निकासी न होने से बाजरे व ज्वार की फसल पीली पड़ने लगी है। अगर अगले एक दो दिनों में पानी की निकासी नहीं हुई तो इन फसलों बर्बाछ होना तय है। फसल पानी से गलनी शुरू हो जाए तो तीन से चार दिनों के भीतर फसल खतम हो जाती है। यही स्थिति कपास की फसल की बनी है। बारिश का पानी जमा होने से कपास के पौधे भी गलने शुरू हो गए है। कई जगहों पर कपास के पौधे से आधे से ज्यादा पानी में डूब चुके है। अगर पानी की निकासी की इसी तरह की व्यवस्था रही तो इस बार किसानों को पूरी तरह से खरीफ की फसलों से हाथ धोने पड़ सकते है। यह स्थिति बवानीखेड़ा खंड के अधिकांश गांवों में बनी है। कुछ क्षेत्र भिवानी खंड के भी बारिश के पानी की भेंट चढ गए है।

भिवानी। सांसद धर्मबीर सिंह के पैतृक गांव तालू के खेतों में जमा बारिश का पानी व खेतों में जमा बारिश का पानी दिखाता एक किसान। *फोटो: हरिभूमि*

भिवानी। खेतों में बारिश के जमा पानी में डूबी कपास की फसल।

कहीं ड्रेन की तबाही, कहीं काटने पड़ रहे रजबाहे

जिन गांवों से ड्रेन निकाली गई है,उन गांवों में जलभराव से थोड़ी सी राहत है,लेकिन जिन गांवों में ड्रेन ओवर हो गई। वहां ड्रेन के पानी जमकर तबाही मचा रहा है। सबसे बुरी स्थिति गांव बलियाली की बनी है। गांव में ड्रेन के ओवर होने की वजह से खेतों में चार चार फुट तक पानी जमा हो गया है। पानी इतना ज्यादा होने की वजह से खरीफ की फसले दिखाई नहीं दे रही है। अभी भी गांव के खेतों में ड्रेन के ओवर होने से पानी का स्तर बढता जा रहा है। सिंचाई विभाग की नहर व राजबाहे पूरी तरह से फुल चल रहे है। इन राजबाहों में खेतों से पानी निकाल कर डाला जा रहा है। जिस वजह से पानी इनमें ओवर है। वहीं माइनर व राजबाहों के ओवर होने की वजह से कभी भी ये टूट सकते है। माइनरों के टूटने की आंशका की चलते सिंचाई विभाग मोरियों को खोल रहे है।

विशेष गिरदावरी करवाना समय की मांग

इस मौसम में जिस तरफ नजर दौडाई जाए। उसी दिशा में जल ही जल है। फसलों का नामोनिशान मिटता जा रहा है। जिन इलाकों में थोड़ी बहुत फसलें बची है। वे पानी की वजह से गलने लगी है। फसलों के खतम होने की वजह से चहुंओर से बर्बाद फसलों की गिरदावरी की मांग भी जोर पकड़ने लगी है। जिसके लिए विशेष गिरदावरी का प्रावधान करके उचित मुआवजा दिलाया जाना चाहिए। ताकि किसानों के पानी ने दिए उन जख्मों पर मलहम लगाई जा सके।

भिवानी। बारिश के जमा पानी में डूबी धान की फसल। *फोटो: हरिभूमि*

गांवों में जलभराव एक गंभीर समस्या: जोगेंद्र

- तालु, धनाना, जताई, पुर, कुंगड़ मंढ़ाणा व सिवाड़ा में हाल बेहाल।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

बारिश ने भिवानी जिला के कई गांवों में प्रशासन के निकासी व्यवस्था के दावों की पोल खोल दी है। जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित गांव तालु, धनाना, जताई, पुर, कुंगड़, मंढ़ाणा और सिवाड़ा में जलभराव की भारी समस्या उत्पन्न हो गई है। खेतों में कई-कई फुट पानी जमा होने से किसानों की हजारों एकड़ फसलें जलभराव की वजह से बर्बाद हो गई हैं। यह बात ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने उक्त गांवों का दौरा करते हुए कही। इस दौरान उनके साथ राज सिह, बिजेंद्र हुड्डा, अनिल, राजकुमार, सत्यवान भी साथ रहे। तालु ने कहा कि जिला प्रशासन ने मानसून से पहले जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करने का दावा किया था, लेकिन बारिश ने इन दावों की हकीकत सामने ला दी। इन गांवों में न तो पानी की निकासी के लिए कोई उचित प्रबंध हैं और ना ही प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलभराव के कारण किसानों की हजारों एकड़ फसलें पूरी तरह से चौपट हो गई हैं। खेत तालाब में तब्दील हो गए हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भिवानी। गांव बलियाली में टूटी ड्रेन से बहता पानी। *फोटो: हरिभूमि*

कर्मियों ने संभाला सफाई का मोर्चा

- बरसात के बीच कस्सी व फावड़ों के साथ उतरे सफाईकर्मी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

पिछले काफी समय से बवानी खेड़ा में मुसलाधार बारिश होने के चलते नगर पालिका सफाई कर्मचारियों ने मोर्चा संभाला और जेली, कस्सी सहित अन्य औजारों से बंद नालों को खोलने का कार्य किया। सफाई दरोगा प्रदीप ने बताया कि नपा प्रधान सुंदर अत्री व सचिव संदीप गर्ग द्वारा पूरे शहर का दौरा करके उन्हें आगाह किया है कि किसी भी सूरत में पानी की रूकावट नही होनी चाहिए। कर्मचारी दिन-रात एक करके पानी के ठहराव को रोककर इसे खोलने का कार्य कर रहे हैं। वहीं उन्होंने बताया कि सीवरेज बंद होने के कारण खासी परेशानी बनी हुई है। शहर में हर वह स्थान जहां पानी जमा होता है, अधिक बारिश होने के कारण वह स्थान फुल हो चुका है। पानी निकासी के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। हालांकि नपा प्रधान सुंदर अत्री व सचिव संदीप गर्ग द्वारा पानी निकासी के लिए अनेक पंप लगवाए गए है ताकि शहर की व्यवस्था न बिगड़े।

बवानीखेड़ा। बारिश में बंद नालों को खोलते सफाई कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

बिलावल की अवनी ने हांगकांग में रचा इतिहास

- विश्व टेबल टेनिस में हासिल किया तीसरा स्थान।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

गांव बिलावल की होनहार टेबल टेनिस खिलाड़ी अवनी जांघू ने विश्व टेबल टेनिस यूथ कंटेंडर हांगकांग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर गर्ल्ज जूनियर वर्ग में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिसमें दुनिया के कई देशों के युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। अवनी ने अपने राउंड ऑफ मुकाबलों में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और हांगकांग की प्रतिभावान खिलाड़ियों को कड़े मुकाबलों में मात दी।

अवनी की जीत ने न केवल उनके परिवार, गांव और जिला चरखी दादरी का नाम रोशन किया, बल्कि देश के लिए भी गर्व की बात है। खिलाड़ी के पिता अरुण जांघू ने बताया कि अवनी शुरू से ही खेलों के प्रति बेहद समर्पित रही है। छोटी उम्र से ही उसने टेबल टेनिस को अपना लक्ष्य बनाया और दिन-रात कठिन परिश्रम किया। इससे पूर्व भी अवनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुकी है और अनेक पदक जीत चुकी है।

बाढ़ड़ा। टेबल टेनिस खिलाड़ी अवनी जांघू। *फोटो: हरिभूमि*

बेटी व परिवार को बधाई

उन्होंने बताया कि अवनी का अगला लक्ष्य एशियन और वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर स्वर्ण पदक लाना है। बिलावल में अवनी की इस सफलता पर खुशी की लहर दौड़ गई है। पंचायत प्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों ने अवनी और उसके परिवार को बधाई दी। सरपंच अनिल कुमार, जोगेंद्र मास्टर, अतरसिंह, राजेश, अमित, वीरेंद्र, प्रमोद व नवीन आदि ने अवनी को बधाई दी।

चरखी दादरी। बाजरे की फसल का निरीक्षण करते कृषि अधिकारी।

घबराएं न किसान, खेतों में नहीं टिड्डी का प्रकोप

- टिडी का प्रकोप बताने के बाद निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

जिले के किसी भी में टिड्डी का प्रकोप नहीं है। किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। जिला के किसानों की शिकायत पर शुक्रवार को कृषि विभाग के अधिकारियों ने खेतों का दौरा करने के बाद यह जानकारी दी।कृषि विभाग से डा. सज्जन सिंह ने डा. विकास को साथ जिला के गांवों घसौला, कपूरी, टिकाण आदि का दौरा कर बाजरा आदि फसलों का निरीक्षण किया। इस दौरान बाजरा के खेतों का सर्वे करने पर पाया कि बाजरा के खेत में टिड्डी का प्रकोप नहीं है। खेतों में ग्रासहोपर मिला है, जिसको आम भाषा में फड़का भी कहते हैं। यह फसल को छोटी अवस्था से लेकर पूरे वृद्धि तक तक हानि पहुंचाता है। यह पत्तों के किनारे से खाते हैं। जिससे कि भारी प्रकोप की अवस्था में केवल पत्तों की मध्य शिखाएं और कभी-कभी तो केवल पतला तना ही रह जाता है। फसल छोटी रह जाती हुई बढ़वार के रुकने की अवस्था में दाने नहीं बनते। फसल में इन कीड़ों की संख्या बहुत होती है।इसकी रोकथाम के लिए 500 मिली लीटर मैलाथियांन 50 ईसी का छिड़काव 250 लीटर पानी में प्रति एकड़ करें। छिड़काव करते समय किसान हाथों में दस्ताने और मुंह ढका होने चाहिए तथा आंखों पर चश्मा पहने। इस दवा छिड़काव के बाद 7 से 10 दिन तक पशुओं को फसल में से चारे के रूप में प्रयोग नहीं करें।

गाड़ी चोरी के मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी ने सेक्टर - 23 हुड्डा भिवानी में मकान के सामने से गाड़ी चोरी के चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया है। जयवर्धन निवासी सेक्टर- 23 हुड्डा भिवानी ने बताया कि 11 जनवरी 2023 की रात को चोर घर के बाहर खड़ी उनकी गाड़ी को चोरी करके ले गए थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना सिविल लाइन भिवानी में दर्ज किया था। सीआईए स्टाफ -2 भिवानी के मुख्य सिपाही नवीन कुमार ने घर के बाहर से गाड़ी चोरी करने के मामले में चौथे आरोपी को जिला जालौर राजस्थान से गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान बंशीलाल निवासी मोखातरा जालौर राजस्थान के रूप में हुई है।

श्रीमती उत्तमीबाई स्कूल की साक्षी व खुशी का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

- चयनित छात्राओं ने जिला स्तरीच प्रतियोगिता में पाया प्रथम स्थान।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

तेरापंथ भवन में अणुव्रत समिति ने अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2025 की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिसमें श्रीमति उत्तमीबाई आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। आठवीं कक्षा की खुशी व दसवीं कक्षा की छात्रा साक्षी ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। दोनों छात्राओं का अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ है। संविधान का संघीय स्वरूप विषय पर जिला स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में विद्यालय की छात्रा खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया व संविधान मर्यादा और न्याय-समता मूलक समाज के अध्याय विषय पर स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता में दसवीं की छात्रा साक्षी प्रथम स्थान पर रही। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सतप्रकाश गिरधर, सचिव सीपी चावला, सदस्या आशा अवस्थी, सूक्षा वधवा व प्राचार्या अनीता बासोतिया ने छात्राओं की उपलब्धि पर बधाई दी।

8 को राधा स्वामी सत्संग भवन में सत्संग, नामदान और भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हर वर्ष की भांति रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में 8 अगस्त को हुजूर कंवर साहेब महाराज के सानिध्य में दादरी-भैरवी गांव के नजदीक लोहारू रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग (दिनोद) शाखा चरखी दादरी में सत्संग, नामदान व भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

आश्रम के मुख्य सेवादार प्रदीप सांगवान ने बताया कि सत्संग में हुजूर कंवर साहेब महाराज अपने मुखारविंद से प्रवचन सुनाऐंगे। सत्संग व भंडारे का शुभारंभ प्रातः 9 बजे से होगा तथा प्रवचन दोपहर 12 बजे से आरंभ होंगे। साथ ही रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें भिवानी ब्लड बैंक की टीम रक्त एकत्रित करने के लिए पहुंचेगी। प्रदीप ने क्षेत्र के धर्मप्रेमियों एवं श्रद्धालुगणों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महाराजजी के प्रवचन सुने और भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त करें।

कार हादसे में गई दो भाइयों समेत बुढेड़ा के 4 युवाओं की जान, गांव में मातम

...और टूट गई दोस्ती की डोर, बुझ गए चार घरों के चिराग

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढिगावा मंडी

एक ही हादसे में दो सगे भाई, ताऊ का बेटा और इकलौते बेटे की मौत, एक युवक जिंदगी की जंग में गुरुवार देर शाम ढाणी लक्ष्मण और अमीरवास के बीच हुए भीषण सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियाँ हमेशा के लिए छीन लीं। एक ही गाड़ी में सवार पांच युवा दोस्त ढिगावा मंडी से अपने गांव बूढ़ेड़ा लौट रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

हादसे में चार युवाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी युवक दोस्त थे, जिनमें दो सगे भाई – कर्मबीर और कमल, उनके ताऊ का बेटा अंकित (घायल), गांव का दोस्त राजेश और राजस्थान के चूरू जिले के झारिया गांव का रहने वाला राकेश शामिल हैं, जो बूढ़ेड़ा गांव में अपने पिता के साथ खेती-बाड़ी करते थे और फिलहाल बहल में रहते थे। कार में सवार होकर गांव आते समय हादसे का शिकार हो गए।

कुलदीप के घर से दो और गांव से उठी चार अर्थी

हादसे की खबर मिलते ही गांव में सन्नाटा पसर गया। हर किसी जुबान पर केवल हादसे वाली ही कहानी रही। खास बात कुलदीप के दोनों बेटों की मौत के बाद पूरा गांव स्तब्ध है। एक साथ गांव से चार अर्थी उठने से हर व्यक्ति की आंख नम हो गई। ग्रामीणों ने आंसू रोकने के खूब प्रयास किए,लेकिन उसके बावजूद भी अश्रुधारा बहने लगी। जिस वक्त चारों की दाह संस्कार प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। तब तक हर व्यक्ति की जुबान पर हादसे में मारे गए लोगों के जीवन से जुड़ी बातें रही।

हादसे में घायल अंकित भी घर का इकलौता शिकार

धर्मेंद्र ने बताया कि मृतक कर्मबीर व कोमल, दोनों सगे भाई थे। इनके पिता कुलदीप के यही दो ही बेटे थे, जो एक झटके में काल का ग्रास बन गए। कर्मबीर व कमल के हादसे में मरने के बाद अब उनके घर में केवल माता व पिता ही है। बहन पहले से ही नहीं थी। अब माता पिता किस तरह से समय बिताएंगे। पिता खेतीबाड़ी करते है, माता गृहणी है। तीसरा मृतक राजेश गांव बूढ़ेड़ा का ही निवासी था और छह भाइयों में सबसे छोटा था। राकेश, अपने माता-पिता का इकलौता बेटा और तीन बहनों का भाई था। गंभीर रूप से घायल अंकित, जो कि शादीशुदा और एक छोटे बेटे का पिता है, भी अपने घर का इकलौता चिराग है।

एक स्वस्थ घोड़ा 44 किमी प्रति घंटे की चाल से दौड़ सकता है।

बिल्लियों के हर कान में 32 मांसपेशियां पाई जाती हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर बनाएं अच्छा करियर

नालेज

यंगभूमि डेस्क

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स करना व इवेंट मैनेजमेंट के पोस्ट पर चयनित होना हर विद्यार्थी के लिए खुशी का पल माना जाता है। हर विद्यार्थी का करियर में सफल होने का सपना होता है। हर विद्यार्थी जाता है। कि वह आगे बढ़कर एक सफल करियर में प्रवेश करें। विद्यार्थी अपने करियर को सफल बनाने के लिए कई प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा का सहारा लेता है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद अलग-अलग प्रकार के डिग्री व डिप्लोमा विद्यार्थी के सामने उपलब्ध होते हैं। डिग्री और डिप्लोमा बहुत सारे होते हैं। जिसमें इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। आज के आर्टिकल में हम इस कोर्स की जानकारी देंगे।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स क्या है

किसी भी शादी व पार्टी के लिए इवेंट को मैनेजमेंट करने वाला व्यक्ति इवेंट मैनेजर कहलाता है। इवेंट मैनेजमेंट करने से पहले विद्यार्थी के पास इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। इवेंट मैनेजमेंट कोर्स एक प्रकार का डिप्लोमा कोर्स है। जिसे विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात हासिल कर सकता है। सनातन की डिग्री के साथ साथ भी विद्यार्थी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को कर सकता है और अपने कैरियर को बना सकता है। आज के समय में सबसे लोकप्रिय डिप्लोमा में इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। हर विद्यार्थी इस कोर्स में अधिक रुचि रखता है। इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है। जिसको पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट मिल जाता है।

ऐसे बना सकते हैं करियर

इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा करने के बाद विद्यार्थी अपना करियर आसानी से बना सकता है। अगर विद्यार्थी को समारोह या किसी भी फंक्शन की प्लानिंग करने में बेहतरीन रुचि है। तो विद्यार्थी को यह डिप्लोमा करके अपने करियर को यहीं पर सफल बना देना है। किसी भी कार्यक्रम का आयोजन होने से पहले कार्यक्रम के आयोजन कर्ता इवेंट मैनेजर से मिलते हैं और इवेंट के बारे में पूरी प्लानिंग करते हैं। ऐसे में यदि आप भी इवेंट मैनेजर बन जाते हैं। तो आप भी अपना कैरियर इस क्षेत्र में सफल कर सकता है। यदि आप भी इवेंट मैनेजर बनने का सपना देख रहे हैं तो आप इवेंट मैनेजमेंट की डिग्री व डिप्लोमा को सबसे पहले कंप्लीट करना होगा। और उसके पश्चात ही आपको इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। हालांकि यहां डिग्री व डिप्लोमा के साथ-साथ आपके माइंड की स्किल बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं।

इन चरणों को फॉलो करना होगा

- सर्वप्रथम विद्यार्थी को 12वीं पास करना होगा।
- 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात विद्यार्थी अपने नजदीकी किसी भी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स उपलब्ध करवाने वाली कॉलेज में जाकर अपने एडमिशन के लिए एप्लीकेशन जमा कर सकता है।
- जब आप एडमिशन के लिए जाते हैं। तो कई ऐसे कॉलेज मौजूद है, जहां पर आपको एडमिशन से पहले एक एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होगा।
- एंट्रेंस एग्जाम पास करने के पश्चात ही आप को एडमिशन दिया जाएगा।
- कई ऐसे कॉलेज है, जो आपको 12वीं के अंकों के आधार पर भी एडमिशन उपलब्ध करवा देते हैं।
- अलग-अलग चरणों के माध्यम से एडमिशन मिलने के पश्चात आपको अपने आवेदन फीस के साथ एडमिशन को कंफर्म कर लेना है।
- अब विद्यार्थी को 2 वर्ष के इस डिप्लोमा को पूरा करना है और इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट हासिल करना है।

आगे बढ़ने के ढेर सारे मौके

करियर स्कोप

जब कोई भी विद्यार्थी किसी भी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स को पूरा करता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी के दिमाग में एक ही सवाल उत्पन्न होता है कि इस कोर्स को करने के पश्चात मेरे लिए भविष्य में कौन-कौन से करियर के स्कोर पर मौजूद होंगे। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले विद्यार्थी को नाम से ही पता चल जाता है, कि करियर के स्कोप के तौर पर उसे इवेंट मैनेजर का काम करना होगा। लेकिन इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा के पश्चात कौन-कौन से अन्य करियर स्कोप मौजूद होते हैं।

कोर्स फीस : विद्यार्थी किसी भी डिप्लोमा कोर्स या डिग्री लेने से पहले उस कोर्स को करने में कितनी फीस लगेगी इसके बारे में आकलन लगाना पसंद करता है। क्योंकि हर विद्यार्थी अमीर परिवार से नहीं होता है। हर विद्यार्थी अपने अपने स्टैंडर्ड के हिसाब से ही डिग्री और डिप्लोमा लेने के बारे में सोचता है। इस कोर्स को करने के लिए सरकारी कॉलेज में 20000 रुपये तक का प्रतिवर्ष खर्चा आता है तो प्राइवेट कॉलेज में इस डिप्लोमा को करने का 100000 रुपये प्रति वर्ष तक खर्चा आता है और कई ऐसे प्राइवेट कॉलेज है। जहां इससे भी अधिक फीस आपको देनी पड़ती है।

यहां मिलता रोजगार

- शादी
- समारोह
- अवॉर्ड समारोह
- टीवी शो
- म्यूजिक लॉन्च
- म्यूजिक समारोह
- फिल्म अवॉर्ड
- फैशन शो
- थीम पार्टी
- प्रदर्शनी
- कोरपोरेट सेमिनार
- बर्थडे पार्टी समारोह

मिलते बहुत सारे विकल्प

जब विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करके इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के लिए आगे बढ़ता है। तो विद्यार्थी के सामने बहुत सारे विकल्प खड़े हो जाते हैं। जिसमें से किसी भी एक कोर्स का चयन करके विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को पूरा करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट के कौन कौन से कोर्स है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
पीजी डिप्लोमा इन मीडिया एंड इवेंट मैनेजमेंट
बेचलर इन इवेंट मैनेजमेंट, बीएससी इन इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट, बीए इन इवेंट मैनेजमेंट, मास्टर इन इवेंट मैनेजमेंट, एमबीए इन इवेंट मैनेजमेंट

देश की सुरक्षा करने के लिए विशाल सेना की आवश्यकता

इंडियन नेवी में बनाएं करियर, अच्छी सैलरी के साथ-साथ मिलेगा देश सेवा का भी मौका

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

भारतीय नौसेना काफी ताकतवर

भारत देश अनेक सारे देशों की सीमाओं से सटा हुआ एक विशाल देश है। भारत की सीमाएं तीन से चार दुश्मन देशों से मिलती है। ऐसी स्थिति में देश की सुरक्षा करने के लिए एक विशाल सेना की आवश्यकता होती है। विशाल सेना के अंतर्गत नेवी भी शामिल है। बता देते हैं कि भारत के दक्षिण दिशा में विशालकाय समुद्र है। जहां से देश की सुरक्षा करना बहुत बड़ी चुनौती है और बहुत जरूरी भी है। ऐसी स्थिति में भारतीय नेवी का गठन किया गया है। यह काफी ताकतवर भारतीय सेना है, जो समुद्री मार्ग से आने वाले दुश्मनों का सामना करती है और देश को हमेशा सुरक्षित बनाए रखती है। इंडियन नेवी को हिंदी में नौसेना कहते हैं। यह फौज सामान्य फौज की तुलना में काफी ताकतवर होती है। इनके पास विशालकाय पानी वाले जहाज और पानी में चलने वाले हथियार होते हैं। इसके अलावा इन सैनिकों को पानी में युद्ध करने की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि कभी भी युद्ध होने पर पानी में भी भारतीय सेना मुकाबला कर सकें। समुद्र में विभिन्न प्रकार के तत्व और तेल पाए जाते हैं। इसीलिए भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले समुद्र की रक्षा भी इंडियन नेवी द्वारा ही की जाती है। इसके अलावा समुद्री मार्ग से होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी नेवी की नजर से होकर गुजरता है। इंडियन नेवी दुनिया के सबसे ताकतवर नेवी में से एक है। समय-समय पर आपने टेलीविजन पर देखा होगा, कि किस तरह से इंडियन नेवी द्वारा युद्धाभ्यास किया जाता है और सरकार द्वारा भी विभिन्न प्रकार के हथियार इंडियन नेवी को उपलब्ध कराए जाते हैं। हाल ही में विक्रांत नाम का सबसे बड़ा और विशालकाय जहाज इंडियन नेवी को मिला है, जिसे समुद्र में उतार कर युद्ध अभ्यास भी किया जा चुका है। इस तरह के युद्धाभ्यास के बाद दूसरे देशों की सेना भी भारतीय सेना से टकराने के लिए एक हजार बार सोचती है। भारतीय नेवी अफसरों को काफी सम्मान मिलता है। इसीलिए आज के समय के अनेक सारे युवा इंडियन नेवी के तहत जॉब करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।

समुद्री इलाके में तैनाती

समुद्री इलाके में देश की सुरक्षा के लिए नौसेना को तैनात किया जाता है। भारतीय नेवी के पास हर तरह के हथियार और उपकरण है, जिसकी मदद से वह देश की सुरक्षा के साथ किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इंडियन नेवी का सबसे बड़ा अधिकारी नौसेना अध्यक्ष होता है तथा इस सेना की सर्वोच्च कमान भारत के राष्ट्रपति के पास होती हैं। पश्चिमी देशों में प्राचीन काल से ही समुद्री यात्राएं की जाती है। लेकिन भारत में पहले ऐसा नहीं होता था। जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कदम रखें, तो वे समुद्री मार्ग से ही आए थे और उसके बाद समुद्र मार्ग से ही भारत के साथ पश्चिमी देशों में व्यापार शुरू कर लिया और समुद्र के रास्ते से ही सभी तरह के व्यापार किए जाते थे। समुद्र के रास्ते विभिन्न देशों की यात्राएं होती थी। इसीलिए महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज ने सन 1674 में अपने शासनकाल में समुद्री सेवा की स्थापना की थी, उसे ही भारतीय इतिहास में इंडियन नेवी स्थापना कहा जाता है।

लंबा इतिहास

भारतीय नौसेना का इतिहास काफी पुराना है। भले ही आज के समय में इंडियन नेवी को अंग्रेजों की देन कहते हैं या अंग्रेजों को ही इंडियन नेवी का श्रेय देते हैं। लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने शासनकाल में समुद्री सेना का विस्तार कर दिया था, जिसके बाद आए अंग्रेजों ने अपने हिसाब से उसे विकसित किया और बड़े पैमाने पर फैलाया। यही वजह है कि आज के समय में हमें अक्सर लोगों द्वारा यह सुनने को मिलता है की अंग्रेजी शासन काल के दौरान ही आधुनिक भारत में इंडियन नेवी की स्थापना की गई थी, बल्कि स्थापना की बजाय विकास किया गया था। हिंदी में इंडियन नेवी को भारतीय नौसेना नाम से भी जाना जाता है।

ऐसे बनाएं करियर

- अब तक आप भारतीय नौसेना के बारे में जान चुके हैं और अब भारतीय नौसेना में जाने का मन बना चुके हैं। तो आपको इंडियन नेवी में जाने से पहले विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए
- आपको यह पता होना चाहिए की कि आप भारतीय नेवी में जाने लायक है या नहीं क्योंकि यह एक ताकतवर फौज है।
- यहां पर विभिन्न प्रकार की योगिता निर्धारित की गई है। इन योग्यता के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- अगर आप नौसेना में करियर बनाना चाहते हैं। तो पहले इसका पूरा गणित समझ लीजिए।

शैक्षणिक योग्यता

- भारतीय नौसेना में यूपीएससी, एनडीए के द्धारा ली जाने वाली परीक्षा के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाई स्कूल पास आउट होना चाहिए।
- इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ पास करने वाले उम्मीदवार भी इंडियन नेवी के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- अगर आपने कोई अच्छा कंप्यूटर कोर्स किया है, तो आपको इंडियन नेवी में चयनित होने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।
- अगर आपको टेक्नोलॉजी का ज्ञान है और उसमें रुचि है तो इंडियन नेवी में आपका चयन आसान हो सकता है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णता स्वस्थ होना चाहिए।
- भारतीय नौसेना में भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।
- इंडियन नेवी में अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष तय की गई है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का मान्यता प्राप्त 10वीं अथवा 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार को दसवीं अथवा 12वीं कक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने आवश्यक है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- आवेदन करने वाले पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शरीर की लंबाई 157 सेंटीमीटर तय की गई है।
- महिला आवेदकों के लिए शरीर की लंबाई 152 सेंटीमीटर होना जरूरी है।
- पुरुष अभ्यर्थियों के छाती का विस्तारित आकार 5 सेमी होना जरूरी है।
- महिलाओं के लिए इस तरह के छाती के विस्तारित आकार की कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।
- इंडियन नेवी के आवेदकों का शारीरिक परीक्षण किया जाता है उसमें पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार अंधा नहीं होना चाहिए, दोनों आंखों से बराबर देखने वाला होना चाहिए।
- उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ होना जरूरी है।

इन प्रोसेस से गुजरना होगा

इंडियन नेवी में भर्ती के लिए तीन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इन तीन प्रक्रियाओं के आधार पर जॉइनिंग की जाती है। वह इस प्रकार है।

लिखित परीक्षा **फिटनेस टेस्ट** **मेडिकल चेकअप**

इंडियन नेवी में भर्ती होने के लिए सबसे पहले परीक्षा देनी होता है जिसके लिए लिखित परीक्षा आयोजित करवाई जाती है। इस परीक्षा में पास होना जरूरी है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी आप नेवी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के लिए भी एग्जाम पैटर्न और सिलेबस निर्धारित किया जाता है। अगर आप उसे अच्छी तरह से समझ लेते हैं, तो यह परीक्षा पास करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है। बता देते हैं कि इंडियन नेवी में लिखित परीक्षा के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, सामान्य ज्ञान, मैथ इंग्लिश, रिजनिंग इत्यादि विषय को सिलेबस के तहत निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा यह परीक्षा केवल 60 मिनट में देनी होती है, जो उम्मीदवार इस परीक्षा को पास कर लेते हैं उन्हें फिटनेस टेस्ट के लिए भेज दिया जाता है लेकिन जो फेल हो जाते हैं। उन्हें वापस अपने घर लौटना होता है जो उम्मीदवार दूसरे चरण के फिटनेस परीक्षा भी पास कर लेता है उन्हें तीसरे चरण की मेडिकल परीक्षा के लिए भेज दिया जाता है। यहां पर उम्मीदवार के शरीर का मेडिकल टेस्ट किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि उम्मीदवार पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है या नहीं। और शरीर के सभी अंग सही ढंग से काम करते हैं या नहीं। इस टेस्ट में पास होने वाले उम्मीदवारों को ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। वे इस परीक्षा में पास हो जाते हैं और ट्रेनिंग के बाद उन्हें जॉइनिंग मिल जाती है।

वर्तमान परिदृश्य में छात्रों के लिए समय का प्रभावी उपयोग करना बेहद जरूरी

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का समय, वह दौर है जो न केवल चुनौतियों से भरा है, बल्कि अनगिनत अवसरों का खजाना भी लेकर आया है। डिजिटल क्रांति, ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार, और वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों ने छात्रों के लिए नए रास्ते खोले हैं। लेकिन इसके साथ ही, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भविष्य की अनिश्चितता और पढ़ाई का दबाव भी सामने आया है। ऐसे में, यह समय छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है कि वे अपनी प्रतिभा को निखारें, अपने सपनों को पंख दें और अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ें। यह लेख उन सभी छात्रों के लिए है जो इस परिदृश्य को समझकर समय का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहते हैं और हर परिस्थिति में प्रेरित रहना चाहते हैं। समय एक ऐसी संपत्ति है जो कभी वापस नहीं आती, और छात्र जीवन वह दौर है जब आप इस संपत्ति को सही दिशा में निवेश करके अपने भविष्य को सुनहरा बना सकते हैं।

डिजिटल युग ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया

आइए, जानें कि इस समय का प्रभावी उपयोग कैसे करें और प्रेरणा की आग को कैसे जलाए रखें। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि वर्तमान परिदृश्य को एक चुनौती के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। डिजिटल युग ने शिक्षा को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना दिया है। यूट्यूब, कोर्सेरा, खान एकेडमी जैसे मंच मुफ्त या किफायती कोर्स प्रदान करते हैं, जिनके माध्यम से आप प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, या कोई अन्य कौशल सीख सकते हैं। ये कौशल न केवल आपके करियर को नई दिशा देंगे, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी प्रदान करेंगे। इसके लिए एक लक्ष्य-आधारित योजना बनाना जरूरी है। अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को छोटे-छोटे दैनिक लक्ष्यों में तोड़ें। उदाहरण के लिए, यदि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी कर रहे हैं, तो रोजाना 1-2 घंटे किसी कठिन विषय को समर्पित करें। एक टाइम-टेबल बनाएँ, जिसमें पढ़ाई, कौशल विकास, और आत्म-देखभाल के लिए समय हो। इस अनुशासित दिनचर्या से आप समय की बर्बादी से बचेंगे और अपने लक्ष्यों के करीब पहुंचेंगे। लेकिन ध्यान रहे, सोशल मीडिया और अनावश्यक स्क्रॉलिंग समय के सबसे बड़े चोर हैं। अपने फोन पर स्क्रीन टाइम लिमिट सेट करें और पढ़ाई के दौरान नोटिफिकेशन बंद रखें। प्रेरणा वह शक्ति है जो आपको कठिनाइयों के बीच भी आगे बढ़ने का हौसला देती है। लेकिन प्रेरणा को बनाए रखना आसान नहीं है, खासकर तब जब असफलताएँ, तनाव, या नकारात्मक विचार आपके रास्ते में आएँ। प्रेरित रहने का पहला कदम है अपने ₹क्यों₹ को स्पष्ट करना। आप पढ़ाई क्यों कर रहे हैं? शायद आप अपने परिवार को गर्व महसूस कराना चाहते हैं, या एक बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं। इस ₹क्यों₹ को एक कागज पर लिखें और अपनी स्टडी टेबल पर चिपकाएँ। यह आपको हर दिन याद दिलाएगा कि आपका लक्ष्य कितना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाएँ। एक कठिन चैप्टर पूरा किया? एक नया कॉन्सेप्ट समझा? खुद को शाबाशी दें यह छोटी जीत आत्मविश्वास की नींव बनाती हैं। प्रेरक स्रोतों से भी जुड़ें। स्वामी विवेकानंद, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तियों की जीवनी पढ़ें, प्रेरक पॉडकास्ट सुनें, या यूट्यूब पर प्रेरणादायक वीडियो देखें। स्वामी विवेकानंद का यह कथन हमेशा याद रखें: ₹उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। साथ ही, अपने आसपास सकारात्मक माहौल बनाएँ।

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें और उन दोस्तों, शिक्षकों, या ऑनलाइन समुदायों से जुड़ें जो आपको प्रोत्साहित करें। चुनौतियां हर किसी के जीवन का हिस्सा हैं, और वर्तमान समय में ये चुनौतियाँ और भी जटिल हो सकती हैं। परीक्षा का दबाव, आर्थिक अनिश्चितता, या भविष्य की चिंता आपको विचलित कर सकती है। लेकिन इनका सामना करने के लिए आपको तनाव प्रबंधन की कला सीखनी होगी। रोजाना 5-10 मिनट ध्यान (मेडिटेशन) करें, गहरी सांस लें, या योग का अभ्यास करें। यह आपके दिमाग को शांत रखेगा और प्रेरणा को बनाए रखेगा। सकारात्मक आत्म-चर्चा भी एक शक्तिशाली हथियार है। मैं यह नहीं कर सकता की जगह कहें, मैं इसे सीख लूंगा। असफलता को डर के रूप में न देखें, बल्कि इसे एक शिक्षक के रूप में अपनाएं। हर असफलता आपको कुछ नया सिखाती है। थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने से पहले 1000 बार असफलता का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आप भी हर बार गिरकर उठने की हिम्मत रखें। इसके अलावा, पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें। हर 45 मिनट की पढ़ाई के बाद 5 मिनट का ब्रेक आपके दिमाग को तरोताजा रखेगा। स्वास्थ्य को कभी नजरअंदाज न करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर और मन ही प्रेरणा का आधार हैं। रोजाना 20-30 मिनट व्यायाम करें, चाहे वह टहलना हो, योग हो, या कोई खेल। संतुलित आहार लें और पर्याप्त नींद लें। नींद की कमी आपके फोकस और प्रेरणा को कम कर सकती है।

सामान्य ज्ञान

1. इलेक्ट्रॉन के तरंग प्रकृति की खोज किसने की थी
(ए) थॉमसन
(बी) डी ब्रोग्ली
(सी) रदरफोर्ड
(डी) बोहर

2. तत्व के सबसे छोटे भाग को क्या कहते हैं
(ए) परमाणु
(बी) इलेक्ट्रॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) प्रोटॉन

3. डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के अनुसार कौन सा सबसे छोटा कण स्वतन्त्र रूप से रह सकता है
(ए) अणु
(बी) परमाणु
(सी) धनायन
(डी) ऋणायन

4. किसी परमाणु का रासायनिक व्यवहार निर्भर करता है, उसके -
(ए) न्यूक्लियस में प्रोटानो की संख्या पर
(बी) न्यूक्लियस में न्युट्रानो की संख्या पर
(सी) न्यूक्लियस के गिर्द घुम रहे इलेक्ट्रॉनो की संख्या पर
(डी) न्यूक्लियस में न्युक्लियनो की संख्या पर

5. द्रव्यमान संख्या' किसका योग है ?
(ए) केवल प्रोटान
(बी) इलेक्ट्रॉन और प्रोटान
(सी) इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रान
(डी) प्रोटान और न्यूट्रान

6. किसी परमाणु के द्रव्यमान और द्रव्यमान संख्या के अंतर को कहते हैं
(ए) परमाणु क्रमांक
(बी) परमाणु संख्या
(सी) द्रव्यमान क्षति
(डी) इलेट्रॉनों की संख्या

7. किस न्यूक्लियर कण में कोई द्रव्यमान और आवेश नही होता ,किन्तु प्रचक्रण होता है
(ए) इलेक्ट्रॉन
(बी) प्रोटॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) मेसॉन

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(बी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(सी) 7.(सी)

खबर संक्षेप

बिजली पेंशनर्ज ने मासिक बैठक में किया मंथन

भिवानी। हरियाणा बिजली पेंशनर्ज वेलफेयर एसोसिएशन कि जिला स्तरीय बैठक नेहरू पार्क में एसो. प्रधान बालमुकंद बापोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। महासचिव आरके चावला ने बताया कि निगम के अधिकारी बार-बार एजेंडे देने के बावजूद भी पेंशनर्ज के कार्य नहीं करते केवल आश्वासन ही देते हैं। अधिकारियों के अड़ियल रवैये के प्रति पैंशनर्ज में भारी रोष है।

डीएससी समाज भारत माता अभिनंदन दिवस मनाएगा

भिवानी। डीएससी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर डाबला ने जारी बयान में कहा है कि डीएससी समाज हरियाणा 11 सितंबर को 8वां भारत माता अभिनंदन दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाएगा, क्योंकि 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद ने कहा था भारत देश की हर मां राजमाता है और हमारे देश में भारत माता सर्वोच्च है। स्वामी ने जब भारत की महान सभ्यता एवं संस्कृति के बारे में विश्व के लोगों को अवगत कराया था तो पूरे संसार के लोगों ने भारत देश की, भारत माता की जय जयकार की थी।

गांव ढाणा नरसान में रोपित की 11 त्रिवेणी

भिवानी। गांव ढ़ाणा नरसान में त्रिवेणी बाबा के सान्निध्य व पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा के नेतृत्व में शुक्रवार को 11 त्रिवेणी रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का नया अध्याय शुरू किया। अभियान का उद्देश्य न केवल पेड़ लगाना है, बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें इस महत्वपूर्ण कार्य से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी को हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है।

आदर्श प्ले स्कूल परिसर में मनाया तीज उत्सव

लोहारू। आदर्श प्ले स्कूल परिसर में भारत विकास परिषद के तत्वावधान में तीज उत्सव मनाया गया। जिसमें मेहंदी प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, लोकगीत प्रतियोगिता और परंपरागत शब्द प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया तथा इलाके की अनेक महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी विजयप्रभा ने कहा कि तीज का त्योहार अपने आप में अलग छटा है। इस दिन महिलाओं रंगी बिरंगे परिधान पहनकर झूला झूलती हैं और लोक गीत गाती हैं। विजय प्रभा ने कहा कि पूरे विश्व के लोग भारतीय संस्कृति के कायल हैं। शाखा प्रधान प्रधान राजीव वत्स, सचिव पवन स्वामी, जितेंद्र जांगड़ा आदि ने कहा कि भारतीय संस्कृति की झलक यहां के त्योहारों में आसानी से देखी जा सकती है।

गुरु ज्ञान समझ के प्रकाश की तरफ ले जाता: पंकज

चरखी दादरी। सीबीएस विद्यालय में गुरु की महता कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें केंद्रीय विवि. से डा. सुनील कुमार व सहायक प्रो. पंकज भारद्वाज ने शिरकत की। डॉ. सुनील कुमार ने गुरु की महता पर बच्चों को रामायण व महाभारत में गुरु का आदर का उदाहरण पेश किया। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना है।

जर्जर भवन, टूटे व गंदगी से अटे कमरे व बंद जनरेटर जैसी समस्याएं

युवाओं का भविष्य संवारने वाला स्कूल खुद लाचार, समस्याओं का लगा अंबार

भिवानी। स्कूल में जर्जरहाल शौचालय दिखाते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

अनदेखी के शिकार गांव रिवाड़ीखेड़ा का रावमावि में खुद ग्रामीण जाने से भी काटते हैं कन्नी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

युवाओं को देश का भविष्य माना जाता है तथा देश का स्वर्णिम भविष्य विद्यालयों में तैयार होता है, लेकिन गांव रिवाड़ीखेड़ा का राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इन दिनों विद्यार्थियों का भविष्य सुधारने बजाय खुद दयनीय स्थिति में हैं, जिसे देखकर विद्यार्थियों का तो दूर ग्रामीणों का भी भवन में जाने को मन नहीं करता।

सरपंच प्रतिनिधि सतीश, ग्रामीण आजाद रिवाड़ी, जोगेंद्र, विनोद, सोनू, जयपाल, सतबीर, रामबीर, राकेश, सतपाल, प्रवीण, सिकंदर व सुमेर ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया और विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति को देखकर सरकार व जिला प्रशासन से सुधार किए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव रिवाड़ीखेड़ा का राजकीय वमा विद्यालय इन दिनों जर्जर हालत में है, जो खुले तौर पर हादसों को निमंत्रण दे रहा है।

उन्होंने बताया विद्यालय में चार कमरे ऐसे है, जिनकी छत कभी गिर सकती है तथा चार कमरे गंदगी से अटे पड़े है, जिनमें बैठकर शिक्षा ग्रहण करना तो दूर पास से गुजरा भी नहीं जा सकता। वहीं स्कूल परिसर में बने शौचालयों की साफ-सफाई की बात तो कोसो दूर है। इसके अलावा विद्यालय का जनरेटर करीबन 12 वर्षो से बंद पड़ा है तथा लाइट जाने के बाद यहां कोई सुविधा नहीं है। विद्यालय में सुविधाओं का अभाव एवं समस्याओं की भरमार के चलते विद्यार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

असमाजिक तत्वों व बेहसहारा पशुओं का जमावड़ा

इसके अलावा विद्यालय का मुख्य द्वार भी दिन-रात खुला रहता है तथा यहां चौकीदार की व्यवस्था भी नहीं है, जिस कारण विद्यालय में बेसहारा पशु व असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। उन्होंने जिला प्रशासन व सरकार से मांग की कि शिक्षा के मंदिर में बनी इन परेशानियों को जल्द से जल्द समाधान करवाया जाए ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्हें स्वच्छ माहौल मिले, ताकि वे अच्छे से पढ़ाई कर सकें।

भिवानी। स्कूल के कमरों में पड़ी लकड़ी, ईंट व अन्य सामान व स्कूल में जर्जरहाल शौचालय। फोटो : हरिभूमि

बाढ़ड़ा। अनाजमंडी परिसर में संचालित धरने पर बैठे संयुक्त मोर्चा के किसान।

धरने को श्योराण खाप व जजपा ने दिया समर्थन

- बीमा कंपनियों के खिलाफ धरना दे रहे हैं किसान संगठन

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

संयुक्त किसान मोर्चा के धरने पर सरकार द्वारा बीमा कंपनियों की कार्यशैली के खिलाफ जांच शुरु न करने पर रोष जताया तथा श्योराण खाप अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह बेरला व जजपा हलकाध्यक्ष विजय श्योराण की अगुवाई में अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर सहयोग व समर्थन दिया। अनाज मंडी में किसान सभा अध्यक्ष मास्टर रघबीर श्योराण की अध्यक्षता में संचालित धरने को संबोधित करते हुए श्योराण खाप अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह बेरला ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार पूंजीपतियों के दबाव में कृषि व्यवस्था को कमजोर कर रही है, जिससे कल तक सारे राष्ट्र का पेट भरने वाला अन्नदाता आज स्वयं महंगाई, भुखमरी व कर्ज की दलदल में धंसता जा रहा है।

किसान सभा के धरने पर बैठे अन्नदाताओं की मांग जायज है और सरकार को तत्काल प्रभाव से इनकी बकाया मुआवजा व अन्य मांगे पूरी करनी चाहिए। जिले में सीएम नायबसिंह सैनी का आगमन भी फिका रहा और जनता को अनेक योजनाएं मिलने का सपना भी टूट गया जो क्षेत्र के मतदाताओं के साथ छलावा है। विजय श्योराण काकड़ौली ने कहा कि आचार संहिता के चलते, जिला भिवानी व चरखी-दादरी जिलों के करोड़ रुपयों के क्लेम को लगभग सौ करोड़ रुपये कर उपग्रह फोटो के नाम पर करोड़ रुपयों का घोटाला किया।

ये रहे मौजूद

किसान सभा अध्यक्ष मास्टर रघबीर श्योराण ने बाढ़ड़ा धरना कमेटी ने इस लूट को उजागर करने के लिए टीम बना कर गांव-गांव में जाकर किसानों को जागरूक करने व धरना-प्रदर्शन में भागीदारी करने के लिए प्रचार अभियान शुरु करने का फैसला किया है। धरने पर किसान सभा के संयुक्त सचिव बलबीर ठाकन, रामपाल धारणी, राजेंद्र, हरपाल हंसावास, संजय जगरामबास, रणधीर कूंगड़, ब्रह्मपाल, महीपाल कारीदास, राजेंद्र बेरला, जगदेव भाडवा, नरेंद्र फोगाट झिंझर, महीपाल कारी दास, युद्धबीर भांडवा, हवासिंह प्राचार्य, ओमप्रकाश, विनोद गोविंदपुरा व नरेश आदि ने भाग लिया।

समयबद्ध निपटाएं पेंडिंग शिकायतें

- समाधान शिविर के लंबित मामलों की सीएम कार्यालय से समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। वीडियो कांफ्रेंस में जानकारी देते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से समाधान शिविर की लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी जिलों के अधिकारी समाधान शिविरों में पर प्राप्त जनशिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। अधिकारियों को ये भी निर्देशित किया गया कि सभी विभागों के प्रतिनिधि समाधान शिविरों में दर्ज शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें तथा उनकी वर्तमान स्थिति से संबंधित जानकारी समयबद्ध रूप से साझा करें। सीईओ जिप डॉ. विरेन्द्र सिंह और सीटीएम प्रीति रावत ने कहा कि आगामी सप्ताह तक लंबे समय से लंबित शिकायतों का संतोषजनक समाधान किया जाए। जनहित नायब सरकार की प्राथमिकता है और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा शिकायतों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन शिकायतों के शीघ्र निस्तारण में ढिलाई किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। सही तरीके से दर्ज और निस्तारित शिकायतें न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देंगी, बल्कि बार-बार एक ही शिकायत के खुलने की समस्या भी कम होगी। जन शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक उत्तरदाई, संवेदनशील और पारदर्शी बनाएं।

वार्ता के बाद ट्यूबवेल ऑपरेटरों का धरना खत्म

- एसडीओ ने रिकार्ड में अनुभव दर्ज करवाने का दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

उपमंडल के जनस्वास्थ्य विभाग के ट्यूबवैल आपरेटरों ने पांचवें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रखकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान अनेक राजनीतिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर ट्यूबवेल आपरेटरों के धरने का समर्थन करते हुए सभी 140 कर्मियों की मांग पूरी करने की मांग की। दोपहर बाद विभाग के एसडीओ व आंदोलनकारियों के मध्य दो दौर की वार्ता के बाद सभी मांगे मानने पर सहमति बनी और धरना खत्म करने का फैसला लिया। जनस्वस्थ्य विभाग के उपमंडल कार्यालय के समक्ष ट्यूबवेल आपरेटरों के पांचवें दिन के धरने की अध्यक्षता अमरजीत कादमा ने की। राजू मान ने कर्मचारियों को समर्थन दिया और बताया कि संघर्ष की हमेशा जीत होती है। धरना प्रदर्शन में जिला चरखी दादरी के पब्लिक हेल्थ ब्रांच के प्रधान सुरेंद्र सांगवान, सचिव कर्मवीर सांगवान, जिला प्रधान जयप्रकाश पुनिया भी धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। धरने पर रिटायर्ड कर्मचारियों ने भी अपना समर्थन दिया। जयभगवान शर्मा, जगबीर चांदनी, मोनू, धर्मेंद्र हड़ौदा, धर्मवीर रुदडौल, धर्मवीर लाडावास, राजेंद्र कादमा मौजूद रहे।

बाढ़ड़ा। जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठक करते उपमंडल अभियंता रामपाल व ट्यूबवैल कर्मचारियों के धरने को संबोधित करते राजू मान।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रधान जयप्रकाश पुनिया और जिला चरखी दादरी के पब्लिक हेल्थ ब्रांच के प्रधान सुरेंद्र सांगवान ने कहा कि जरूरत पड़ने पर दादरी के कर्मचारी भी शामिल होंगे। दोपहर बाद यूनियन शिष्टमंडल की जनस्वास्थ्य विभाग के उपमंडल अभियंता रामपाल से बातचीत हुई जो पूरी तरह सकारात्मक रही और कर्मचारियों के लंबे संघर्ष की जीत हुई।

स्कूली बच्चों ने किया ऑक्सीजन पार्क का दौरा

बाढ़ड़ा। गांव कारीदास स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला के बच्चों द्वारा आज कस्बा के निकट स्थित ऑक्सीजन पार्क में ले जाया गया। अध्यापक सुंदरपाल फोगाट व विज्ञान अध्यापक रविंद्र कुमार की अगुवाई में नन्हे मुन्ने बच्चें यहा पहुंचे व पार्क तथा प्रकृति के बारे में काफी जानकारियां हासिल की। मास्टर सुंदरपाल फोगाट ने कहा कि ऑक्सीजन पार्क बच्चों को प्रकृति के करीब लाता है और उन्हें पर्यावरण के बारे में जानने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि ये बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। प्रकृति की सैर से बच्चों को कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलती हैं। प्रकृति में सब कुछ एक दूसरे से जुड़ा हुआ है और एक संतुलन में काम करता है, यह हमें सिखाता है कि हमें अपने कार्यों में संतुलन बनाए रखना चाहिए और प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना चाहिए। विज्ञान अध्यापक रविंद्र ने बताया कि प्रकृति हमेशा बदलती रहती है, मौसम बदलते हैं, नदियां बहती हैं। प्रकृति की सैर बच्चों को अपने आस-पास की दुनिया को अधिक बारीकी से देखने और समझने में मदद करती है।

विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां

- व्यावहारिक व कल्याणकारी शिक्षा का होना आवश्यक : प्रो दीप्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में युवा कल्याण विभाग एवं हरियाणा कला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में सावन महोत्सव कार्यक्रम विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस में आयोजित किया। सावन महोत्सव कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी, सहसंरक्षक कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा एवं संयोजक डॉ. सुरेश मलिक थे। मुख्यतिथि सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कलाकार एवं क्षेत्रीय निदेशक हरियाणा कला परिषद गजेंद्र फौगाट एवं विशिष्ट अतिथि विधायक घनश्याम सर्राफ की धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ, पूर्व कुलसचिव डॉ. ऋतु सिंह, एडवोकेट मुकेश चौहान, राजनारायण पंघाल, सीमा बंसल ने शिरकत की। सावन महोत्सव एवं नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 का शुभारंभ हवन यज्ञ से किया। कुलपति प्रोफेसर दीप्ति ने सावन महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा और सावन दोनों ही समानार्थी हैं। सावन की फव्वारे बंजर धरती को हरा भरा कर देती हैं ठीक उसी प्रकार शिक्षा भी जीवन से अज्ञानता रूपी अंधकार को मिटाकर प्रकाशमय बनाती है।

भिवानी। सावन महोत्सव में झूला झूलती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

एक पेड़ मां के नाम अभियान जननी मां के प्रति सम्मान की पहल: प्राचार्या

चरखी दादरी। सुभाष चौक में स्थित नेहरू हाई स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान का संचालन किया गया। जिसकी अध्यक्षता स्कूल निदेशक जिले सिहं यादव के द्वारा की गई। अभियान का संचालन करते हुए निदेशक ने विद्यार्थियों को बताया कि वर्तमान समय में मानव ने अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के व अपने स्वार्थ के चलते पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने हमें आज एक खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां केवल विनाश ही विनाश है। प्राचार्या अल्का यादव के मार्गदर्शन में स्कूल के सभी बच्चों ने अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्राचार्या ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान अपनी जननी मां के प्रति सम्मान की एक बहुत अच्छी पहल है, जिसमें हम अपनी मां को सम्मान दे सकते हैं। अभियान के जरिए हमारे द्वारा रोपित किए गए।

अणुव्रत जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

छात्रों ने आजीवन नशा न करने का लिया संकल्प

- केएम स्कूल प्रथम व समूहगान में वैश्य स्कूल ने मारी बाजी।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विजेताओं को पुरस्कृत करते साध्वीश्री व अन्य। फोटो : हरिभूमि

तेरापंथ भवन में शासनश्री साध्वी तिलकश्री के सानिध्य में अणुव्रत समिति ने अणुव्रत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित करते हुए संयोजक रमेश बंसल ने बताया कि समूहगान प्रतियोगिता में केएम पब्लिक स्कूल ने प्रथम तथा वरिष्ठ वर्ग एकल गान में भी इसी विद्यालय के छात्र कार्तिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ एकल गान में वैश्य मॉडल के एल्विन प्रथम तथा इसी स्कूल की टीम ने कनिष्ठ समूहगान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में भी केएम स्कूल ने शानदार प्रदर्शन कर कनिष्ठ वर्ग में दिशा तथा वरिष्ठ वर्ग में राही ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में केएम स्कूल के लक्की तथा वरिष्ठ वर्ग में टीआईटी स्कूल की रितिका ने पहला स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता।

ये रहे परिणाम

उत्तमीबाई स्कूल की खुशी कनिष्ठ वर्ग में तथा के एम पब्लिक स्कूल की चिंकिता वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान पर रही। कविता प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में वैश्य मॉडल की वर्षा तथा वरिष्ठ वर्ग में उत्तमी बाई स्कूल की साक्षी पहले स्थान पर रही। उन्होंने विद्यार्थियों से आजीवन व्यसन मुक्त जीवन जीने व नकल न करने का संकल्प करवाया। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 20 अगस्त तक राज्य स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा। सभी विजेताओं को अणुव्रत समिति द्वारा कॉपी एवं स्टेशनरी देकर सम्मानित किया। साध्वी तिलकश्री ने कहा कि बच्चों में नैतिकता के संस्कार बनाए रखने के लिए अणुव्रत विश्व भारती का प्रयास बहुत महत्वपूर्ण है। सुरेंद्र जैन अधिवक्ता ने कहा कि अणुव्रत समिति पिछले कई वर्षों से इन प्रतियोगिताओं का आयोजन करती रही है और भिवानी के कई स्कूल इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। समिति के अध्यक्ष नरेश बंसल ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का शब्दों द्वारा स्वागत किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका रमेश जैन अधिवक्ता तथा सुनीता नाहटा ने निभाई। इस अवसर पर देवेंद्र जैन, सुषमा जैन,नवीन नाहटा,अनिल सिंगला, बैजनाथ जैन, विकास जैन मौजूद रही।

यूनियन के प्रधान बने शमशेर

बाढ़ड़ा। कस्बे की जांगिड़ धर्मशाला में आयोजित कर्मचारी स6मेलन में मौजूद कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा कि आईबी बाढ़ड़ा शाखा का त्रिवार्षिक प्रतिनिधि सम्मेलन जांगड़ा धर्मशाला बाढ़ड़ा में संपन्न हुआ। नई कार्यकारिणी का चुनाव किया, जिसमें सर्वसम्मति से शमशेर सिंह को अध्यक्ष चुना। कर्मचारी सम्मेलन में बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। पर्यवेक्षक के रूप में जिला सचिव नवदीप फौजी व जिला कोषाध्यक्ष दिलबाग बजाड़ मौजूद रहे। मुख्य वक्ता के रूप में रोहतक जिला प्रधान राकेश लकड़ा, रोहतक जिला अध्यक्ष शिवकुमार व मोरवाला ब्रांच अध्यक्ष प्रदीप मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि मौजूदा हरियाणा सरकार कर्मचारियों की मांगों को लगातार अनदेखा कर रही है। सभी कर्मचारी सरकार से मांग करते हैं कि हरियाणा का अलग से वेतन आयोग गठित किया जाए, तमाम प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए,पुरानी पेंशन बहाल किया जाए, कैनाल गार्ड को तृतीय श्रेणी का दर्जा मिले।

सूचना

मैं मांगेराम (आधार न. 8484-4383-0521) पुत्र इंद्र सिंह गांव सुरपुरा कलां, तहसील लोहारू, जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अमित कुमार ब मेरी पुत्रवधू दिव्या मेरे कहने सुनने से बाहर है । अतः मैं अपने पुत्र अमित कुमार व पुत्रवधू दिव्या को 01- 08-2025 से अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इसके साथ लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी ब मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

तालू के स्कूल में पहुंचे बवानीखेड़ा के बीडीपीओ

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता द्वारा मानसून सीजन के दौरान पानी निकासी को लेकर दिए गए आदेशों की चलते पंचायत विभाग, सिंचाई विभाग, शहरी स्थानीय निकाय और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हर संभव प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में बरसात से गांव तालू स्थित सरकारी स्कूल में पानी जमा होने की सूचना मिलने पर बीडीपीओ सोमबीर कादयान मौके पर पहुंचे और जेसीबी से पानी निकासी का वैकल्पिक रास्ता बनवाया। बरसात के मौसम के चलते डीसी गुप्ता को पानी निकासी से संबंधित सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ कल

भिवानी। दिनोद गेट स्थित खाकी बाबा मंदिर के नजदीक स्थित श्रीलाल महादेव अखाड़ा शिवि मंदिर में 3 से 10 अगस्त दोपहर दोपहर सवा तीन से शाम सवा 6 बजे तक श्रीमद्भागवत सप्ताह भक्ति ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन किया जाएगा। ठ मूलचंद झील प्रबंधन समिति के सदस्य ने बताया कि कथा के दौरान गोवर्धन आचार्य कथा का वाचन करेंगे। कथा की शुरूआत तीन अगस्त को सुबह सवा 8 बजे कलश यात्रा से होगी। कलश यात्रा गोमी गिरी मंदिर से शुरू होकर कथा स्थल तक पहुंचेंगी, जिसके बाद दोपहर सवा 3 बजे से भागवत का पूजन, कथा प्रवचन किया जाएगा।

किसानों का बीमा क्लेम रोकना गैरकानूनी कार्य

लोहारू। हिसार जाट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य इंद्र सिंह लाखलाण ने कहा कि किसानों का करोड़ों रुपयों का बीमा क्लेम रोकना किसानों के हितों पर कुठाराघात ही नही बल्कि गैर कानूनी कार्य भी है। ऐसा कार्य करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और किसानों को उनका हक मिलना चाहिए। वे शुक्रवार को लोहारू में किसानों के महापड़ाव के 17 वें दिन किसानों को संबोधित कर रहे थे। शुक्रवार को जाट भवन सिवानी समिति के सैंकड़ों सदस्यों प्रधान विद्याधर पिलानिया के नेतृत्व में धरना स्थल पर पहुंच कर आंदोलन को समर्थन दिया। प्रधान विद्याधर पिलानियां ने कहा कि किसानों की सभी मांग पूरी जायज हैं।

खंड स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता का आयोजन

खेल स्पर्धाओं में बालक-बालिकाएं कर रहे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

- एक व दो अगस्त तक बालिका वर्ग के मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भीम स्टेडियम में शुक्रवार से खंड स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता खंड शिक्षा अधिकारी अनिल गौड़ के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का संचालन प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा मदन गोपाल की निगरानी में किया जा रहा है।

प्रतियोगिता में अंडर-11 और अंडर-14 वर्ग के लडक़े व लड़कियों की खेल प्रतिस्पर्धाएं करवाई जा रही हैं। जिसमें हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, कुश्ती, एथलेटिक्स, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, सॉफ्टबॉल, बेसबॉल, नेटबॉल, जूडो और खो-खो। सभी खेल एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं।

शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि प्राचार्य रीमा परमार एवं सीमा सरदाना रही। जिन्होंने वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय घुसकानी की बालिका टीम से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। एक व दो अगस्त तक बालिका वर्ग के और तीन से चार अगस्त बालक वर्ग की अंडर 11 अंडर 14 की प्रतियोगिता का आयोजन भीम स्टेडियम, हलवासिया विद्या विहार, जीडी गोयनका, मॉडल संस्कृति स्कूल, पीएम श्री स्कूल में किया जाएगा, जिस खेल में चार टीम नहीं होंगी में नहीं उनका चयन ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आगामी दिनों में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में खंड भिवानी की ओर से भाग लेंगे। प्रतियागिता में आयोजन समिति के सदस्यों में सत्यवान कोच, सुखदेव रंगा डीपीई, राजेश्वर ढिल्लों, रामचंद्र पूनिया, राजेश परमार कालिंगा मोतीलाल जांगड़ा, सरिता डीपीई, राजवंती प्रवक्ता, उर्मिला देवी, प्रवीण भारद्वाज, राजेश डीपीई धनाना, नसीब कलिंगा, रमेश सांगवान, गजानंद पीटीआई, सुनील पीटीआई कोहड़, संजय सैनी, जीतपाल शर्मा, राजेश शिवाजी, अनीता खेड़ा, राम भगत हलवासिया, विद्या विहार शैलेंद्र पीटीआई, अशोक पीटीआई अजीतपुर, मनजीत पीटीआई पालवास, अजमेर पीटीआई, दयानंद डीपी मानहेरू रविंद्र तालु, राकेश भारद्वाज, आशा पीटीआई, पुष्पा तिगड़ाना, प्रतियोगिता का संचालन व्यवस्थित व सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

भिवानी। खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता भिवानी में घुसकानी टीम के साथ परिचय करते हुए प्राचार्य रीमा परमार, सीमा सरदाना अन्य शारीरिक शिक्षक।

अंडर-17 और अंडर-19 जोनल खेल प्रतियोगिताएं 4 अगस्त से : एसडीएम

- लड़कियों की खेल प्रतियोगिताएं 04, 05 व लड़कों की 06 व 07 अगस्त को

तोशाम। एसडीएम डॉक्टर अशवीर सिंह नैन ने कहा कि अंडर-17 और अंडर-19 जोनल खेल प्रतियोगिताएं 04 अगस्त से शुरू होगी। जोनल खेल प्रतियोगिताओं में लडकियो की 04, 05 व लडको की 06 व 07 अगस्त को आयोजित की जाएगी। शिक्षा विभाग के खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार सांगवान व जोनल खेल इन्चार्ज पीजीटी राजेश कुमार ने सयुंक्त रूप जानकारी देते हुए बताया कि खण्ड स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत 04 से पांच अगस्त तक होगी। अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग के खिलाडियों के लिए एक जनवरी 2009 तक और अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाडियों एक जनवरी को 2007 तक आयु वर्ग के लडके और लड़कियों की सभी खेलों की प्रतियोगिताएँ चौधरी सुरेन्द्र सिंह स्टेडियम, तोशाम में खण्ड-तोशाम के सभी राजकीय व अराजकीय विद्यालयों के खिलाड़ियों की प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि 06 से 07 अगस्त तक अंडर 0-17 वर्ष व अंडर 0-19 वर्ष के लड़कों की सभी खेलों की प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी।

कबड्डी में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलिंगा की टीम विजयी

- खो-खो, वॉलीबॉल, कबड्डी, मुक्केबाजी सहित कई अन्य इवेंट्स में प्रतिभागी दिखा रहे दमखम

भिवानी। भीम स्टेडियम में शुक्रवार से दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आगाज हुआ। इन प्रतियोगिताओं में भिवानी ब्लॉक के लगभग 45 सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों के खिलाड़ी अंडर-11 और अंडर-14 आयु वर्ग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए हरियाणा शारीरिक शिक्षक एसोसिएशन के जिला प्रधान कुलदीप महला पीटीआई ने बताया कि इन खेल प्रतियोगिताओं में खो-खो, वॉलीबॉल, कबड्डी, मुक्केबाजी सहित कई अन्य इवेंट्स शामिल हैं। यह आयोजन युवा खिलाडियों को अपनी खेल क्षमताओं को निखारने और मंच प्रदान करने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन कबड्डी इवेंट में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलिंगा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीबालाजी सीनियर सैकेंडरी स्कूल कलिंगा की टीम को मात दी।

चरखी दादरी। गोल्ड मेडल पदक विजेता रचना परमार। फोटो : हरिभूमि

बौंदखुर्द की रचना ने वर्ल्ड रेसलिंग में जीता गोल्ड

- फाइनल में चाइना की एक्सीन हुआंग को 3-0 के अंतर से हराकर जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

गांव बौंदखुर्द निवासी महिला कुश्ती खिलाड़ी रचना परमार उर्फ भम्भो ने अपने संघर्ष, प्रतिभा और कठोर परिश्रम के बलबूते भारत देश का नाम विश्व पटल पर सुनहरे अक्षरों में अंकित कर दिया है।

रचना ने वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप के अंडर-17 आयुवर्ग की 43 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। प्रतियोगिता में रचना ने अपने पहले मैच में कनाडा की हरीजा तोशई को 8-0 के अंतर से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में इजिप्ट की मारलीम अहमद को 13-2 के अंतर मात देकर सेमिफाइनल में कदम रखा। सैमीफाइनल में कांटे की टक्कर देते हुए यूएसए की मेडिसोन मारिया को 1-1 के अंतर से हराया। फाइनल मैच में चाइना के साथ मुकाबला किया और एक्सीन हुआंग को 3-0 के अंतर से हराते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। रचना के पिता सरपंच अजीत सिंह व माता क्षमा रानी ने बताया कि 25 जून को वियतनाम में आयोजित एशियन अंडर-17 चैंपियनशिप में भी रचना ने स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रचा था।

बचपन से मेधावी

ग्रामीणों ने बताया कि रचना बचपन से ही मेधावी और अनुशासित रही है। शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में उसकी पकड़ मजबूत रही है। उन्होंने कहा कि रचना दिन-रात कठोर परिश्रम करती है, जिसका परिणाम आज सामने है। रचना ने अपनी जीत का श्रेय अपने अभिभावकों और अपने मार्गदर्शक कोच को दिया है। इस अवसर पर नरेश पहलवान, संजीव बौंदिया, अतर सिंह सरपंच बौंद कलां, प्रेम सिंह सरपंच रणकोली, पम्मी कोच, सुमन कोच, प्रेमपाल चेयरमैन, पूर्व सरपंच गोबिन्द सिंह बौंद कलां, सतेंद्र परमार पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, सहित इत्यादि ने बधाई दी।

नंदगांव में हरे पेड़ काटने का आरोप

- हरे पेड़ों की अवैध कटाई से पर्यावरण को पहुंच रहा भारी नुकसान : ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव नंदगांव में शामलाती जमीन पर करीब 100 हरे पेड़ काटे जाने का मामला सामने आया है।

ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग करते हुए उपायुक्त, जिला वन अधिकारी और खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। हरे पेड़ काटने के मामले को लेकर नंदगांव के ग्रामीण कर्मवीर, जयनारायण, जगत सिंह, प्यारेलाल, रणसिंह, सुनील, कृष्ण, रामकुमार, मनोज व महेन्द्र सिंह आदि ने उपायुक्त, बीडीपीओ व वन विभाग अधिकारी को शिकायत पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि गांव की मुखिया ने कुछ लोगों के साथ मिलकर हरे पेड़ों की कटाई की है। इस मामले में पहले भी जिला प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है, जिससे पुलिस मजदूरों, ट्रैक्टर-ट्राली को सदर थाना में ले गई, लेकिन पेड़ों की कटाई करवाने वाले के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। ग्रामीणों ने एसएचओ सदर पुलिस को लिखित में शिकायत दी तब उन्हें केवल कार्रवाई करने का आश्वासन देकर भेज लिया तथा दोषी व ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी छोड़ दिया।अब दोषी उन्हें धमकी दे रहे हैं कि वे उनका कुछ नहीं बिगड़वा सकते।

भिवानी। हरे पेड़ काटे जाने के विरोध में ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

एनएसयूआई ने सीबीएलयू में किया प्रदर्शन

- स्पेशल चांस की फीस कम करने, आवेदन तिथि बढ़ाने और लंबित परिणाम जारी करने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एनएसयूआई ने विद्यार्थियों की तीन प्रमुख मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मंजीत लांगयान के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में अनेक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया तथा समस्याओं को खुलकर सामने रखा।

यह विरोध विश्वविद्यालय प्रशासन के उदासीन रवैये के खिलाफ था, जिसके बाद प्रशासन ने कुछ मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है। प्रदर्शन के उपरांत एनएसयूआई के पदाधिकारियों व विद्यार्थियों ने सीबीएलयू की कुलपति के नाम मांगपत्र भी सौंपा तथा विद्यार्थी हित की सभी मांगें जल्द से जल्द पूरी करने की मांग उठाई। कुलपति की तरफ परीक्षा नियंत्रक ने मांगपत्र लिया। मंजीत व सुमित ने कहा कि एनएसयूआई 6 हजार रूपये की भारी-भरकम फीस का विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि सीबीएलयू में अधिकांश छात्र किसान, मजदूर और निम्न वर्ग से आते हैं, ऐसे में इतनी ज्यादा फीस उनके लिए बहुत बड़ा आर्थिक बोझ है।

भिवानी। लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते एनएसयूआई के सदस्य।

ये हैं मांगें

एनएसयूआई मांग करती है कि फीस कम की जाए या पूरी तरह से माफ कर दी जाए। इसके अलावा स्पेशल चांस के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को कम से कम 7 अगस्त तक बढ़ाया जाया, क्योंकि बहुत से विद्यार्थी सीईटी व एचटेट परीक्षा की वजह या अन्य तकनीकी कारणों से अभी तक आवेदन नहीं कर पाए हैं। जो परीक्षा परिणाम अभी जारी नहीं किए गए, उन परिणामों को तुरंत जारी करने की मांग की, जिनके रिजल्ट एक या दो पेपर की वजह से रूके हुए हैं। एनएसयूआई पदाधिकारियों से बातचीत के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने मौखिक रूप से स्पेशल चांस की अंतिम तिथि को दो दिन बढ़ाए जाने, 6 हजार की फीस पर विचार करे।

रक्त की कमी से न जाए किसी की जान

- सरपंच प्रतिनिधि नरेश उर्फ नैसी सिवाच सहित 23 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव मिताथल के वीर शहीद सुरेश कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 24 वें रक्तदान शिविर का आयोजन मास्टर पवन कुमार मिताथल, स्कूल स्टाफ व ग्राम पंचायत के सौजन्य से किया गया।

मास्टर पवन कुमार अध्यक्ष उड़ान वेलफेयर सोसाइटी मिताथल ने बताया कि मुख्य अतिथि कैप्टन अशन कुमार सांगवान अर्जुन व गुरु द्रोणाचार्य अवार्डी थे। विशिष्ट अतिथि मिताथल सरपंच प्रतिनिधि नरेश उर्फ नैसी सिवाच। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य राजरानी वीर शहीद सुरेश कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिताथल ने की। अतिथियों द्वारा रक्तदान शिविर की शुरुआत रिबन काट कर की गई।

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान का आह्वान

अशन कुमार सांगवान ने बताया कि रक्तदान किसी के लिए भी बेहद सामान्य बात हो सकती है लेकिन जरूरतमंद के लिए यह जिन्दगी और मौत का सवाल होता है। रक्त की जरूरत कभी भी किसी को भी पड़ सकती है। उन्होंने युवाओं से आहवान करते हुए कहा कि वे रक्तदान में बढ़चढ़ कर भाग लें।

सरकार किसान महापड़ाव के लिए कर रही मजबूर : रामफल

- किसानों की तहसील कमेटियों का चुनाव करवाने का लिया निर्णय

भिवानी। अखिल भारतीय किसान सभा की जिला कमेटी भिवानी की बैठक लोहारू में हुई। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल ने की।

किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने बताया कि लोहारू एसडीएम कार्यालय पर किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर किसान महापड़ाव का शुक्रवार को 17वां दिन है तथा इस महापड़ाव की मुख्य मांग खरीफ फसल 2023 की 350 करोड़ रुपये फ्रॉड की जांच करवाने, दोषियों को सजा दिलवाने व ब्याज समेत फ्रॉड की राशि किसानों के खातों में डालने सहित अन्य 13 मांगे शामिल है। बैठक में बवानीखेड़ा व भिवानी तहसील के दो दर्जन से ज्यादा गांव के जल भराव का मुद्दा उठाया ।

प्रशासन व सरकार से शीघ्र जल निकासी व बर्बाद फसलों का 50 हजार रुपये मुआवजा देने की मांग की। इस आंदोलन में इलाके के किसान व महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

बैठक में चर्चा करते किसान संगठन।

बिजली कर्मियों ने काली पट्टी लगा जताया विरोध

- पुरानी पेंशन योजना को बहाल नहीं किया तो आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर बिजली निगम के कर्मचारियों ने शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करवाया। कर्मचारियों ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना उनकी सेवानिवृति के बाद सुरक्षित भविष्य की गारंटी थी, जिसे समाप्त करके उनके अधिकारों का हनन किया है।

कर्मचारी नेता प्रविंद्र भांडवा ने कहा कि कर्मचारियों ने काम के दौरान अपनी बाजू पर काली पट्टी लगाकर विरोध जताया और सरकार को चेतावनी दी कि जल्द पुरानी पेंशन योजना को बहाल नहीं किया तो आने वाले समय में आंदोलन और तेज किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि वे केंद्र व राज्य सरकारों से लगातार पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कर्मचारियों ने एक सुर में कहा कि वे अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष करते रहेंगे और जब तक पुरानी पेंशन योजना बहाल नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सब डिविजन में सभी कर्मचारियों ने मिलकर पहले एनपीएस और अब यूपीएस जो सरकार लेकर आ रही है उसे पहले केंद्र सरकार को अपनाना चाहिए।

बाढ़ड़ा। कस्बे के बिजली कार्यालय के सामने विरोध जताते बिजली कर्मचारी।

मार्केट न्यूज

एम.के. हॉस्पिटल द्वारा पुलिस लाइन, भिवानी में सफल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

भिवानी। एमके हॉस्पिटल ने पुलिस प्रशासन, भिवानी के सहयोग से आज भिवानी पुलिस लाइन, कम्युनिटी सेंटर में एक 'निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर' का सफल आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच करना और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर का शुभारंभ भिवानी के 'डीएसपी श्री अनुप' द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने इस अवसर पर एम.के. हॉस्पिटल की समाजसेवी पहल की प्रशंसा की। शिविर में एम.के. हॉस्पिटल के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने भाग लिया, जिनमें सम्मिलित थे। डॉ. गुंजन भारद्वाज (क्रिटिकल केयर मेडिसिन), डॉ. नितिन बालचंदर (कैंसर विभाग), डॉ. पंकज (पैथोलॉजी), डॉ. पीयूष जोशी (कैंसर विभाग), डॉ. रविंद्र (डेंटल), डॉ. रितु शर्मा (स्त्री एवं प्रसूति रोग), डॉ. साहिल मेहता (हड्डी व जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ), डॉ. सोमबीर मेहरा (फिजियोथैरेपी), डॉ. विष्णुकांत (यूरोलॉजी), डॉ. विनायक (न्यूरो सर्जरी), डॉ. विक्रम (जनरल मेडिसिन), डॉ. मानस (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी), डॉ. मनजीत (हृदय रोग), डॉ. एम. मोनिस (इमरजेंसी मेडिसिन), डॉ. हरीश एवं डॉ. सुनीता (सहायक चिकित्सक)। शिविर में 230 से अधिक लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त किया।

प्रदर्शन नई पेंशन नीति व एकीकृत पेंशन योजना को बंद करने की मांग

पुरानी पेंशन योजना बहाली को लेकर कर्मियों ने की नारेबाजी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

शुक्रवार को अनेक कर्मचारियों ने नई पेंशन नीति व एकीकृत पेंशन योजना को बंद कर पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करवाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और बाद में अपनी मांगों को लेकर एसडीएम मनोज दलाल को ज्ञापन प्रेषित किया।

इससे पहले अनेक कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान काली पट्टी बांधकर विरोध प्रकट किया। रेखा श्योराण, मनोज कुमारी, पूनम, सुनीता, सुदेश, निर्मला, पिंकी, सरिता, कंचन, कविता, नीलम, बिमला, प्रवेश श्योराण द्वारा एसडीएम मनोज दलाल के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम भेजे गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति के माध्यम से विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने पिछले लंबे समय से पुरानी पेंशन नीति बहाल करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नई पेंशन नीति और एकीकृत पेंशन नीति दोनों ही कर्मचारियों के लिए उचित नही हैं। ये दोनों पेंशन नीतियां बंद करके सरकार को चाहिए कि वह पुरानी पेंशन नीति बहाल करे। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों को हित को ध्यान में रखते हुए उनकी मांगों को पूरा करना चाहिए। इस मौके पर अनेक महिला कर्मचारी मौजूद थी तथा इस दौरान उन्होंने प्रदर्शन कर नारेबाजी भी की। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि वे कर्मचारियों की मांगों को सकारात्मक टिप्पणी के साथ सरकार को भेजेंगे।

लोहारू। लोहारू में अपनी मांगों को लेकर एसडीएम मनोज दलाल को ज्ञापन देते हुए विभिन्न विभागों के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया शहर में प्रदर्शन ओपीएस का विकल्प भी दे सरकार: नरेश मेहता

भिवानी। मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा के आह्वान पर जिला भिवानी के सभी विभागों के कर्मचारियों ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम के खिलाफ कार्यस्थलों पर काली पट्टी बांधकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। सैंकड़ों की संख्या में कर्मचारी नेहरू पार्क से नारेबाजी करते हुए रोष मार्च निकालते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन सौंपा गया और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग की गई। प्रदर्शन में पहुंचे प्रदेश महासचिव ऋषि नैन ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 1 अगस्त से यूपीएस लागू की है, जिसे प्रदेश के कर्मचारियों ने पहले ही दिन सिरे से खारिज कर दिया। इससे पूर्व केंद्र सरकार के कर्मचारी भी यूपीएस को नकार चुके हैं, और सिर्फ 1.37 प्रतिशत कर्मचारियों ने ही यूपीएस को चुना है।उन्होंने यह भी बताया कि आज प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के जिला मुख्यालयों पर कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा और यह संदेश दिया कि जब तक ओपीएस बहाल नहीं होती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।